(e) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI V. C. SHUKLA): (a) The issue regarding construction of Irrigation By-pass Tunnel at the Sardar Sarovar Dam has remained unresolved. A request has been received from the Government of Gujarat for early resolution of the issue.

(b) As per the programme of December, 1989 approved by the Sardar Sarovar Construction Advisory Committee the diversion of water for irrigation is proposed after June, 1995 only through the Canal Head Power House, the first unit of which is slated for commissioning by August, 1995;

(c) to (e) The issue regarding the payment of share cost of Sardar Sarovar Project to the Government of Gujarat by the Party States has been discussed in the Sardar Sarovar Construction Advisory Committee meetings form time to time and States have been apprised of the need for immediate settlement of disputed claims and early payment of outstanding dues to the Government of Gujarat.

Assistance to earthquake victims in U.P.

1637. DR. SANJAYA SINH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to refer to the reply to the Unstarred Question 1353 given in the Rajya Sabha on the 8th May, 1992 and state:

(a) whether Government have since received the report of the central team which has visited the earthquake affected areas in Uttar Pradesh; and

(b) if so, what is the extent of earthquake damage assessed by the central team and the quantum of further Central Assistance likely to be given for relife and rehabilitation measures in the earthquake affected areas in Uttar Pradesh?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) Yes, Sir.

(b) The extent of damage due to earthquake in Uttar Pradesh as reported by the State Government to the Central Team is given in Annexure. Based on the recommendations of the Central Team and Inter-Ministerial Group, it has been decided to release an amount of Rs. 45.315 crores as Central share of Calamity Relief Fund (CRF) in advance to Government of U. P. for relief and rehabilitation measures in the earthquake affected areas. This amount will be adjusted against the future entitlement of State Government for Central share under C.R.F.

Setting up of Gene Banks

1638. DR. SANJAY SINH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to set up Gene Banks to conserve a variety of Medical and aromatic plants in the country; and

(b) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA): (a) and (b) Sir, The Indian Council of Agricultural Research have already established a gene bank at National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi, to conserve germplasm of various agricultural crops, including medicinal and aromatic plants. Nearly 400 accessions of medicinal and aromatic plants have already been stored in the gene bank for long term conservation.

भूमि कटाव

1639. **श्री राजूभाई ए० परमार** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भूमि कटाव को रोकने के लिए सरकार ने क्या लक्ष्य निर्धारित किए हैं;

(ख) इन लक्ष्यों को प्राप्ति में सरकार को किस हद तक सफलता मिली है; और

(ग) इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन): (क) और (ख) मृदा क्षरण को रोकने के लिये भारत सरकार द्वारा कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं।

(ग) भारत सरकार के कृषि मंत्रालय की महत्वपूर्ण योजनायें इस प्रकार हैं:-

(1) नदी घाटी परियोजनाओं के जल ग्रहण क्षेत्रों में मृदा संरक्षण की केन्द्रीय प्रायोजित योजना;

(2) बाढ़ प्रवण नदियों के जल-ग्रहण क्षेत्रों में समेकित पनधारा प्रबन्ध की केन्द्रीय प्रायोजित योजना;

(3) वर्षा सिंचित क्षेत्रों में समेकित पनधारा विकास कार्यक्रम; और

(4) यूरोपीय आर्थिक समुदाय की सहायता प्राप्त (1) उत्तर प्रदेश में चंबल तथा यमुना के बीहड़ क्षेत्रों में समेकित पनधारा प्रबन्ध और (2) गुजरात में समेकित पनधारा प्रबन्ध परियोजना।

गुजरात में शुष्क भूमि खेती

1640. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी**: क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले वर्ष के दौरान गुजरात में शुष्क भूमि खेती परियोजनाओं को कार्यान्वित किया गया है; यदि हां तो उनका जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) शुष्क क्षेत्र में फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन): (क) जी, हां। गुजरात राज्य में गत वर्ष के दौरान वर्षापोषित क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय पनधारा विकास परियोजना तथा विश्व बैंक से सहायता प्राप्त समन्वित पनधारा विकास परियोजना (भदानी इलाके) क्रियान्वित की गई हैं। जिलावार ब्यौरा विवरण I और II में दिया गया है (**नीचे देखिये**)।

(ख) समन्वित कृषि प्रणाली, जिसमें कृषि, पशुपालन, कृषि-वानिकी, बारानी बागवानी, वासभूमि के बगीचे, घरेलू उत्पादन प्रणालियां आदि शामिल हैं, के सतत विकास के जरिए बारानी क्षेत्रों में बायोमास का सकल उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं।

विवरण-I

वर्षा पोषित क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय पनधारा विकास परियोजना के तहत पनधाराओं की जिलावार संख्या को दर्शाने वाला विवरण-पत्र

क्रम संख्या	जिले का नाम	पनधाराओं की संख्या
1	अहमदाबाद	6
2	बनासकांठा	11
3	बड़ौदा	12
4	भड़ूच	10
5	बुलसाड	7
6	डांग	1
7	गांधीनगर	1
8	केड़ा	8
9	मेहसाना	6
10	पंचमहल	11
11	साबरकांठा	9
12	सूरत	9
13	अमरेली	10
14	भावनगर	12
15	जामनगर	10
16	जूनागढ़	15
17	कच्छ	9
18	राजकोट	13
19	सुरेन्द्रनगर	9